समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, प्रथम सत्र

चतुर्थ पत्र : सांख्य तथा वेदान्त (MSKTC 104) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment) 1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 जीवन में दर्शन की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 2 सांख्यकारिका के अनुसार सत्कार्यवाद क्या है?

प्र. 3 त्रैगुण्यवाद का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

प्र. 4 सांख्य के अनुसार इन्द्रियों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

समनुदेशन(Assignment) 2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 ईश्वरकृत सांख्यकारिका में वर्णित तीन गुणों के स्वभाव का वर्णन करें।

प्र. 2 सांख्य में प्रमाणों का स्वरूप स्पष्ट करें।

प्र. 3 सांख्यकारिका के अनुसार प्रकृति और पुरुष के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4 प्रत्यय सृष्टि से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

समनुदेशन (Assignment) 3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 वेदान्तसार के अनुसार अनुबन्ध-चतुष्ट्य को स्पष्ट करें।

प्र. 2 वेदान्तसार के अनुसार सृष्टिक्रम को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 3 वेदान्तसार के आधार पर पञ्चीकरण प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4 वेदान्तसार के अनुसार आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत प्रथम सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....